13 लाख की नगदी लूटकर फरार हुये तीन लुटेरे गिरफ्तार

10 लाख 50 हजार की नगदी बरामद, अन्य आरोपी फरार

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। मदनगंज थाना पुलिस ने 24 घंटे में लूट की वारदात का खुलासा कर फरारी काट रहे तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर साढ़े 10 लाख 50 हजार की नगदी बरामद की है। सुनियोजित षड़यंत्र के तहत करीबी साथियों ने ही लूट की वारदात को अंजाम पर पहुंचाया था। पुलिस की गिरफ्त में आये आरोपियों में सांवतसर निवासी पदम गुर्जर (29) पुत्र भंवरलाल, परासिया निवासी पूनमचंद मीणा (26) पुत्र पप्पूलाल मीणा व रामनिवास उर्फ जीतू जाट (21) पुत्र मोतीलाल जाट है।

जानकारी के अनुसार परिवादी शीशपाल गुर्जर और मुख्य आरोपी पदम गुर्जर काफी करीबी दोस्त है। थाना इंचार्ज शम्भू सिंह शेखावत ने बताया कि 25 जून को सांवतसर निवासी शीशपाल गुर्जर पुत्र घासीराम ने मामला दर्ज कराया कि रात्रि करीब 8 बजे दुकान में काम करने वाले चंद्रप्रकाश के साथ बाईक से इंद्रा नगर जा रहा था। इस दौरान आई-20 कार में सवार अज्ञात नकाबपोश बदमाश 13 लाख 55 हजार की नगदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों को पकड़ने के लिये सीसीटीवी कैमरों को जांच के दायरे में लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार व उप अधीक्षक महिपाल चौधरी के निर्देश पर टीमें गठित की। इस बीच मुख्य आरोपी पदम गुर्जर शक के दायरे में आ गया। काफी मशकक्त के बाद इसे पकड़कर पूछताछ की गई।

पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा कर फरारी काट रहे तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- करीबी साथियों ने ही लूट की वारदात को अंजाम पर पहुंचाया था

शुरूआती दौर में अपने आपको बेगुनाह बताकर गुमराह करता रहा, किंतु कड़ी पूछताछ के बाद इसने गुनाह में संलिप्तता स्वीकार कर सब कुछ उगल दिया। बताया कि अपने साथियो के संग क्रिस्टल पार्क के पास लूट की योजना बनाई। मैंने ही शीशपाल को कॉल कर इंद्रा नगर में बुलाया और पलक झपकते ही बैग लूटकर चंपत हो गये। पुलिस ने पदम गुर्जर, पूनमचंद मीणा व रामनिवास जाट को गिरफ्तार कर अन्य फरार 4-5 बदमाशों की खोजबीन शुरू कर दी है। साथ ही 10 लाख 50 हजार की नगदी बरामद की है। मदनगंज थाने में कार्यरत कां विनोद चौधरी का पूरे खुलासे में विशेष योगदान रहा।

बकरा चोरी के शक में दो मासूमों को पेड़ से बांधकर पीटा

बेरहमी से पीटाई करने का वीडियो वायरल हुआ, छह आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने बच्चों को छुड़ाकर मामले में 6 अरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। श्रीनगर थाना क्षेत्र के बालोद का दड़ा गांव में दो मासूमों को बकरा चोरी कर बेचने के शक में दोनों बच्चों को घर से उठाकर ले गए और रस्सियों से पेड़ से बांध कर बेरहमी से पीटाई करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने दोनों को पेड़ से बांधकर बेल्ट से पीटा तथा मारपीट का वीडियो भी बनाया। वीडियो सामने आने के बाद हरकत में आई पुलिस ने बच्चों को छुड़ाकर मामले में 6 अरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला 24 जून का है, घटना का वीडियो बुधवार को सामने आया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

श्रीनगर थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बालद का दड़ा निवासी महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें बताया कि उसके 3 बच्चे है, जिसमें एक बच्चा 14 साल का है। 24 जून को सुबह 10 बजे अचानक घर पर गांव के ही कानाराम, मुकेश, बबलू और ओमप्रकाश जबरन घुस आए और एक बच्चे को उठाकर ले गए। जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो मुझे धमकाते हुए कहा कि इसने बकरा चोरी किया है और इसके लिए सजा देंगे।

- दोनों बच्चों को पेड़ से रस्सियों से बांधकर बेल्ट से बेरहमी से मारपीट की, जान से मारने की धमकी भी दी

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे को गांव के ही कानाराम के घर ले गए। इसी तरह एक और बच्चे को भी वहां उठाकर लाए और दोनों को पेड़ से रस्सियों से बांधकर बेल्ट से बेरहमी से मारपीट की, साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट के दौरान वहां लोगों की काफी भीड़ लग गई। थकहार कर दोनों बच्चों को छुड़वाने के लिए पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों बच्चों को छुड़ाया। दोनों बच्चों के शरीर पर चोट के निशान मिले।

एडिशनल एसपी अजमेर दीपक कुमार ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा बच्चों को पेड़ से बांधकर मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ था और पीड़ित परिजन ने श्रीनगर थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोगों को हिरासत में लिया है।

श्रीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने एएसपी के दिशा निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश, बबलू, ओमप्रकाश, सेठी, कानाराम और हीरालाल शामिल हैं, सभी आरोपी बालोद का दड़ा गांव के ही रहने वाले हैं। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चूरू में मूसलाधार बारिश हुई

चूरू, (कासं.)। शेखावाटी में बुधवार को धूप और आंधी के बाद मूसलाधर बारिश हुई। यहां बारिश के बाद मौसम खुशनुमा बन गया है। यहां सवेरे से ही सूर्य देवता ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। दोपहर बाद चार बजे आंधी चलनी लगी, उसके आधा घंटा बाद मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश के शहर के विभिन्न मुख्य मार्ग भारी मात्रा में पानी एकित्रत होने के कारण बंद हो गए। यहां पंचायत समिति के सामने, रीको रोड़ नम्बर तीन व चार पर, उद्यमसिंह चौक, रेलवे स्टेश के सामने, टाऊन हॉल के पास, पुराना बस स्टेण्ड सहित खुद कलैक्ट्रेट में पानी भर गया। कलैक्ट्रेट एक हिस्सा तो बारिश के कारण कभी भी ढह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में 6.0 एमएम बारिश दर्ज हुई है।

11 हजार केवी बिजली लाइन का तार टूटकर खेत में गिरा

भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा जिले के जहाजपुर उपखंड क्षेत्र के पीपलूंद गांव में खेत से गुजर रही 11 हजार केवी बिजली लाइन का तार टूटकर खेत में गिर गया। उसी खेत से होकर चार गायें चारा खाने जा रही थी, जो 11 हजार केवी बिजली लाइन के करंट की चपेट में आ गई, जिससे चारों गायों की मौके पर ही करंट लगने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार पीपलूंद निवासी सीता देवी खाती की चार गायें गांव के पास खेतों में चरने गई थी। जिनको ढूंढने गई तो देखा कि 11 हजार केवी बिजली लाइन का तार टूटकर जमीन पर लटक रहा था, जिसके करंट की चपेट में आने से उनकी गायों की मौत हो गई, जिनको देखकर सीता देवी के चिल्लाने पर गांव के सोनू पंचोली दौड़कर पहुंचा तो गायों की हालत को देखकर उन्होंने उपसरपंच को सूचना दी। उप सरपंच सावन टांक व धर्मेंद्र कंजर ने मौके पर पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी।

- करंट की चपेट में आने से चार गायों की मौके पर ही मौत

सूचना पर जहाजपुर थाना पुलिस व बिजली विभाग के कर्मचारी एवं पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे, जहां पीपलूंद पशु चिकित्सक महावीर प्रसाद रेगर ने गायों का पोस्टमार्टम किया। घटना के बारे में गायों के मालिक किशन चंद्र खाती से जानकारी करने पर बताया कि हमने बिजली के तार टूटने की सूचना बिजली विभाग के कर्मचारी व अधिकारियों को दे दी थी, लेकिन फिर भी उन्होंने समय पर सुनवाई नहीं करने से सुबह चरने गई मेरी चारों गायें दोपहर 12:30 बजे खेत से होकर चारा चरने जा रही थी, उसी खेत में 11 हजार केवी बिजली लाइन के तार टूटे हुए थे, जिनकी चपेट में आ जाने से उनकी गायों की मौत हो गई। अगर बिजली विभाग के कर्मचारी समय पर सुनवाई कर लेते तो शायद मेरी चार गायों की मौत नहीं होती। बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही से चार गायों की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई।

लेपर्ड ने युवक पर किया हमला

उदयपुर, (कासं)। जिले के टीडी थाना क्षेत्र के अमरपुरा में लेपर्ड ने युवक पर हमला कर दिया। लेपर्ड ने उसके सिर पर पंजा मारकर नोचा। करीब 4 मिनट तक लेपर्ड का सामना कर युवक जैसे-तैसे खुद का बचाव करते हुए भागा। चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंचे और घायल हो एमबी हॉस्पिटल लेकर गए। घटना अमरपुरा गांव की है। सूचना पर टीडी थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। घायल अमरपुरा के वली फला निवासी लाला पुत्र थावरा मीणा (40) किसी काम से उदयपुर शहर आने के लिए गांव से रवाना हुआ था। जंगल से पैदल गुजरते वक्त झाड़ियों में छिपे लेपर्ड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। लेपर्ड ने मुंह और पंजे से सिर को दबोचने की कोशिश की।

'जोधपुर का अमन चैन बर्बाद न करें'

जोधपुर, (कासं)। गत शुक्रवार को सूरसागर क्षेत्र में ईदगाह के दरवाजा निकालने को लेकर हुए विवाद के बाद हुआ उपद्रव समाज के लिये कलंक है। जमीयत और मौलाना अरशद मदनी का पैगामे मुहब्बत है कि चाहे जो नफरत फैलाये, हमें मुहब्बत के फूल बरसाने हैं। इस घटना के बाद जोधपुर आये जमीयत उलमा ए राजस्थान के प्रवक्ता मुफ्ती हबीबुल्लाह नोमानी ने इस मामले में सरकार से निष्पक्ष कार्यवाही की मांग की। संवाददाता सम्मेलन में जमीयत उलमा ए राजस्थान के प्रवक्ता मुफ्ती हबीबुल्लाह नौमानी ने कहा कि हम सरकार और प्रशासन से उम्मीद करते हैं कि वह इस मामले में निष्पक्ष होकर न्याय करें और दोनों को पाबंद करें कि जो भी समझौता हुआ, उस पर कायम रहे और अगर प्रशासन निष्पक्ष होकर कार्यवाही करेगी तो मुल्क और इन्सानियत के लिए बेहतर रहेगा। इस मामले जो भी दोषी पाया जाए, उस पर कार्यवाही हो। हम सबसे अपील करना चाहेंगे कि भाईचारा कायम रखे और नफरत से दूर रहे। उन्होंने कहा कि मारवाड़ और खास तौर से जोधपुर शहर भाईचारा और आपसी प्यार-मुहब्बत के लिए पूरे में मुल्क मशहूर है, लेकिन कुछ सालों से राजनीतिक के कारण इस शहर में नफरत का अजीब माहौल बन गया है और बात-बात पर लड़ाई झगड़े शुरू हो गये है।

भू-कारोबारी से धोखाधड़ी कर 10 लाख रुपए हड़पे

अजमेर, (कासं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक प्रोपर्टी कारोबारी से 10 लाख रुपए धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित कारोबरी ने थाने में एक महिला व युवक पर व्यवसाय के नाम पर रुपए उधर लेकर रकम नहीं लौटाने के आरोप लगाए हैं।

कोतवाली थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड निवासी लक्ष्मण सिंह ने लिखित शिकायत देते हुए एक महिला व युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में लक्ष्मण ने बताया कि उसका ऑफिस पुरानी मंडी में अजीत प्रॉपर्टी के नाम से स्थित है। अजमेर निवासी प्रीति शर्मा व विकास शर्मा उसके परिचित है। प्रीति शर्मा व विकास शर्मा ने उससे अलग-अलग समय पर 10 लाख रुपए दुकान व्यवसाय के लिए उधार लिए थे, जोकि एक माह बाद लौटाने का आश्वासन दिया था। लेकिन अब दोनों ने एक माह गुजर जाने के बाद भी पैसे नहीं दिए है। बार-बार तकादा करने पर टालमटोल करते रहे। एक दिन जब महिला प्रीति शर्मा व विकास शर्मा से एक इकरारनामा अमानत के लिए लिखवा कर नोटरी करवाया था, लेकिन समय अवधि भी निकल गई, मगर प्रीति शर्मा व विकास शर्मा ने पैसे नहीं दिए व इनकी नीयत में बदलाव आ गया है।

पीड़ित प्रोपर्टी कारोबारी लक्ष्मण ने बताया कि दोनों उसके पैसे नहीं देना चाहते हैं। प्रीति शर्मा व विकास शर्मा ने कुछ समय पूर्व में भी उसके खिलाफ शिकायत भी थी, जोकि बाद में दोनों ने राजीनामा करके कुछ समय में पैसे देने को कहा था, लेकिन आज तक रकम वापस नहीं की गई, दोनों दबाव बनाकर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे है।

जाट उम्मीदवार के अलावा अन्य जातियों के उम्मीदवारों ने वि.स. चुनाव में हार के अंतर को कम किया है

झुंझुनूं, (निसं)। विधानसभा के मतदाताओं व विद्वान विश्लेषकों से हुई राजनीतिक चर्चा के अनुसार लगातार कांग्रेस की झोली में जा रही झुंझुनूं विधानसभा सीट का आगामी उपचुनाव में क्या भविष्य रहेगा इसको लेकर झुंझुनूं विधानसभा के आमजन की राय व पिछले कई विधानसभा चुनाव के आंकड़ों व आंकलन को लेकर झुंझुनूं विधानसभा में लगातार भाजपा की हार का व कांग्रेस प्रत्याशी की जीत का क्या कारण है, यह भाजपा के लिए गहन मंथन का विषय है।

विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान व केंद्र में भाजपा की सरकार फिर भी झुंझुनूं विधानसभा सीट पर भाजपा की जीत का दावा कमजोर क्यों, आमजन से हुई वार्ता से निकली बातों को कारण माने तो भाजपा द्वारा झुंझुनूं जिले में सातों विधानसभा सीट पर सही प्रकार से सोशल इंजीनियरिंग कर टिकटों का वितरण ना कर पाना भी भाजपा का जिले में पिछड़ने का एक प्रमुख कारण है। जानकारों की माने तो एक ही जाति विशेष पर अधिक विश्वास जताकर टिकट देना भाजपा के मूल वोटर को नाराज करना भी एक कारण है। झुंझुनूं जिले की सात विधानसभा सीटों तथा लोकसभा की आठ विधानसभा सीटों जिसमें एक रिजर्वेशन पिलानी विधानसभा की है। इसके अलावा खेतड़ी विधानसभा गुर्जर बाहुल्य वाली सीट है। शेष 5 सीटों पर जिले में बड़ी जनसंख्या वाली जातियां जैसे जाट, सैनी, ब्राह्मण, राजपूत आदि में सही अनुपात में टिकटों के वितरण से 36 कौम भाजपा के साथ जुडकर विजय परचम लहरा सकती है। जानकारों की माने तो झुंझुनूं विधानसभा की टिकट यदि ब्राह्मण, राजपूत व सैनी समाज को दी जाए तो भाजपा इस गढ़ को फतह कर सकती है। भाजपा की मूल रूप से जुड़ी जातियां ब्राह्मण, राजपूत, बनिया, सैनी, कुमावत, सोनी, जांगिड, दर्जी, नाई, स्वामी, योगी, खटीक, नायक सहित अन्य जातियां जिनके वोट लगभग 2 लाख से भी अधिक है, को वंचित व नाराज किया जाता रहा है, जो भाजपा को बहुमत में वोट देकर टक्कर में खड़ा करते हैं। बार-बार इन जातियों की उपेक्षा के चलते झुंझुनूं विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाना कठिन हो गया है।

- झुंझुनूं विधानसभा में विजय के लिए खेलना होगा भाजपा को नोन जाट कार्ड
- ब्राह्मण, सैनी, राजपूत भारतीय जनता पार्टी की नैया पार लगा सकते हैं!

विधानसभा के मतदाताओं व विश्लेषकों से हुई राजनीतिक चर्चा के अनुसार झुंझुनूं विधानसभा में भाजपा यदि नॉन जाट कार्ड खेलती है तो विधानसभा उपचुनाव में भाजपा का कमल खिल सकता है। विधानसभा में आमजन के मध्य कडी मेहनत करने वाले कार्यकर्ता झुंझुनूं शहर मंडल अध्यक्ष एवं जिला प्रवक्ता कमलकांत शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व बगड नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं झुंझुनूं से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रहे राजीव सिंह शेखावत, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह काली पहाड़ी, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष पवन मावंडिया, एडवोकेट बिरजू सिंह शेखावत, बगड नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद सिंह राठौड सहित कई ऐसे उम्मीदवार हैं जो नॉन जाट वोटरों की पहली पसंद माने जाते हैं। भाजपा को यदि अपने मूल वोटर को बनाए रखना है, तो विधानसभा उपचुनाव में सोशल इंजीनियरिंग के आधार पर एक ही समाज को बार-बार टिकट देने की बजाय अन्य समाज जिसमें ब्राह्मण, सैनी, राजपूत उम्मीदवार पर दाव खेलना पड़ेगा। तभी भारतीय जनता पार्टी झुंझुनूं विधानसभा के गढ़ को फतह कर सकेगी ऐसा विद्वान विश्लेषण को का मानना है।

आलूओं से भरा ट्रक पलटा

धौलपुर, (निसं)। राजाखेड़ा-धौलपुर मार्ग पर दिघी गांव के पास मंगलवार बीती रात आलूओं से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में किसी भी प्रकार की जन हानि नहीं हुई है। वहीं ट्रक पलटने के कारण उसमें भरे आलू के बोरे सड़क किनारे खेतों में फैल गए। ट्रक ड्राइवर ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद से आलूओं के बोरे ट्रक में लोड कर मुंबई के लिए जा रहा था। मंगलवार रात्रि में धौलपुर की तरफ से एक तेज रफ्तार ट्रेलर आया, जिसको बचाने के चक्कर में ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।

ए.डी.ए. ने 900 वर्गगज भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाया

पीएचईडी विभाग को भूमि आवंटित की थी, अतिक्रमणकारी ने दो कमरे व चार दीवारी बनाई

अजमेर, (कासं)। अजमेर विकास प्राधिकरण ने बोराज में 900 वर्ग गज भूमि पर किए गए कब्जे को बुधवार को हटाकर भूमि को अपने कब्जे में लेकर कब्जा पीएचइडी विभाग को संभला दिया।

एडीए के उपायुक्त भरत गुर्जर के निर्देश पर तहसीलदार सुनीता चौधरी के नेतृत्व में एडीए व पुलिस टीम ग्राम बोराज पहुंची, यहां प्राधिकरण की भूमि पर किए गए कब्जे को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त किया गया, उक्त भूमि पर अतिक्रमणकारियों ने भूमि पर चार दीवारी कर कच्चा पक्का निर्माण कर रखा था। तहसीलदार सुनीता चौधरी ने बताया कि बोराज गांव के रावत नगर में अजमेर विकास प्राधिकरण ने पीएचईडी को पानी की टंकी बनाने के लिए 900 वर्गगज भूमि आवंटित की गई थी, लेकिन इस भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से दो कमरे व चार दीवारी बना ली थी। पूर्व में कई बार नोटिस देने के बाद भी अतिक्रमी द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिस पर बुधवार को भारी पुलिस बल के बीच चार दीवारी व दो कमरों को जेसीबी की सहायता से ध्वस्त किया गया।

ए.डी.ए. ने बोराज में भूमि पर किए गए कब्जे को हटाया।

तहसीलदार चौधरी ने बताया कि एडीए पहले भी उक्त भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने के प्रयास किए थे, भारी विरोध के चलते और पुलिस इमदाद नहीं मिलने के कराण कार्रवाई नहीं की गई थी। विरोध को देखते हुए ही बुधवार को गंज एवं दरगाह थाना से अतिरिक्त पुलिस बल की उपस्थित में कार्रवाई की गई। इस दौरान दरगाह सीओ लक्ष्मणराम व थाना प्रभारी सहित एडीए का पुलिस बल तैनात रहा।

नौ महिने बाद बुलाई साधारण सभा की बैठक, कोरम के अभाव में प्रधान ने स्थगित की

मालपुरा, (निसं)। पंचायत समिति प्रधान व साधारण सभा अध्यक्ष सकराम चौपड़ा द्वारा बुधवार को बुलाई गई पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक को स्वंय प्रधान ने ही कोरम पूरा नहीं होने का हवाला देते हुये नाटकीय घटनाक्रम के तहत बैठक स्थगित कर दी। इससे खफा आठ पंचायत समिति सदस्यों ने विकास अधिकारी व प्रधान के समक्ष लिखित में नाराजगी जताकर तत्काल बैठक बुलाने की मांग की।

पंचायत समिति सदस्य प्रियंका हरिजन, निरमा सैनी, लाली देवी, शिवराज चौधरी, मूलशंकर शर्मा, पारसी देवी, बिमला देवी, बन्नालाल माली ने लिखित में विकास अधिकारी व प्रधान को अपनी आपत्ति दर्ज करवाते हुये बताया कि वो सभी सदस्य मिटिंग हॉल में मौजूद थे तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे, लेकिन प्रधान सकराम चौपड़ा द्वारा कोरम के अभाव का बहाना बनाकर नौ महीने बाद बुलाई गई साधारण सभा को स्थगित कर दिया गया तथा अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को सभास्थल से बाहर निकाल दिया गया जो कि जनप्रतिनिधियों के अधिकारों के साथ कुठाराघात है तथा पंचायतों के विकास को अवरूद्ध करने का प्रयास है।

पंचायत समिति प्रधान ने कोरम के अभाव में नाटकीय घटनाक्रम के तहत साधारण सभा की बैठक स्थगित की।

- आठ पंचायत समिति सदस्यों ने विकास अधिकारी व प्रधान के समक्ष लिखित में नाराजगी जताकर तत्काल बैठक बुलाने की मांग की
- 'निर्धारित समय से आधा घंटे बाद तक इंतजार करने के बावजूद सभागार में कोरम पूरा नहीं होने के कारण बैठक स्थगित की गई है'

प्रधान सकराम चौपड़ा ने बताया कि पंचायतराज के नियमानुसार कम से कम 6 सीआर बैठक में होने पर ही कोरम पूरा माना जाता है। निर्धारित समय से आधा घंटे बाद तक इंतजार करने के बावजूद सभागार में कोरम पूरा नहीं होने के कारण बैठक स्थगित की गई है। अगली बैठक सात दिन बाद 8 जुलाई को बुलाई जायेगी।

विकास अधिकारी सतपाल कुमावत ने कहा कि बैठक बुलाने व अध्यक्षता करने का अधिकार प्रधान का होता है। वो तो साधारण सभा के सचिव है। आठ सीआर द्वारा लिखित में दी गई आपत्ति व 27 जून को पुन: बैठक बुलाने की मांग से प्रधान को लिखित में नोटसीट के जरिये अवगत करवा दिया गया था। ग्राम पंचायतों के लम्बे समय से अवरूद्ध पड़े विकास कार्यों को गति देने व नवीन विकास कार्यों का सदन में प्रस्ताव व अनुमोदन को लेकर बुलाई बैठक नाटकीय घटनाक्रम के तहत स्थगित करना ग्राम पंचायतों के सरपंच व जिला परिषद सदस्यों को भी नागवारा लगा। तो वहीं 8 जुलाई को प्रधान द्वारा बैठक बुलाने की जानकारी दी गई है, जबकि 3 जुलाई से विधानसभा का सत्र शुरू होगा। ऐसे में नियमानुसार सत्र के दौरान बैठक बुलाने का प्रावधान नहीं है।

उपप्रधान मूलशंकर शर्मा ने बताया कि ऐसे नाटकीय घटनाक्रम को जान-बूझकर ग्राम पंचायतों के विकास कार्यो को अवरूद्ध करने का षडयंत्र है। साथ ही जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का भी हनन है। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि विकास अधिकारी द्वारा बिना प्रधान की सहमति व साधारण सभा बैठक के बगैर ही चुनिन्दा पंचायतों मे करोड़ों रूपयों के विकास कार्य स्वीकृत कर दिये। किसी बात को लेकर प्रधान व विकास अधिकारी के बीच चल रही खींचतान का खामियाजा ग्राम पंचायतों को भुगतना पड़ रहा है।